नौकरी-कारोबार में महिलाओं की संख्या 14 से बढ़कर 32% हुई

लखनऊ। नौकरी और कारोबार में बीते सालों में महिलाओं की संख्या 14 से बढ़कर 32% हुई है। पीरियॉडिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की रिपोर्ट के अनुसार राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी 2017-18 में 14.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 32.10 प्रतिशत हो गई। सात वर्ष में 'महिला सशक्तीकरण' शीर्ष प्राथमिकता के रूप में रही। महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराध में सजा दिलाने में यूपी पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बना है।

30 लाख से ज्यादा संपत्तियों पर महिलाओं का मालिकाना हक : पिछले तीन साल में 30 लाख से ज्यादा रजिस्ट्री महिलाओं के नाम की गई हैं। इन संपत्तियों की कीमत करीब दो लाख करोड़ रुपये है। स्टांप एवं पंजीकरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल ने बताया कि गिफ्ट डीड के बाद महिलाओं विशेषकर मां-बेटी-बहन को संपत्ति दान करने में अप्रत्याशित रूप से तेजी आई है। वर्ष 2021 में 10.50 लाख रजिस्ट्री, वर्ष 2022 में करीब 10.35 लाख रजिस्ट्री और वर्ष 2023 में जनवरी तक 9.71 लाख रजिस्ट्री महिलाओं के नाम हो चुकी हैं। ब्यूरो

यहां भी महिलाओं को सौगात

- मुद्रा योजना के तहत कुल लोन में से 70% महिलाएं।
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत राशि 15 हजार से बढ़कर 25 हजार रुपये की गई। इस योजना में 18.66 लाख बेटियों को लाभ।
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 3.50 लाख जोड़ों का विवाह।
- 31.50 लाख निराश्रित महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन।
- 8.37 लाख स्वयं सहायता समूहों से एक करोड़ महिलाओं को जोड़ा।
- 57 हजार ग्राम पंचायतों में बीसी सखी बनाई गईं।
- पीएम स्वनिधि योजना में दो लाख से अधिक महिलाओं को ऋण।